हिन्दी Hindi Class 12 Important Question Chapter 16 दूसरा देवदास

1) गंगा घाट पर किस – किस देवता की मूर्ति रखी हुई थी ?

उत्तर: गंगा घाट पर गंगा की मूर्ति के साथ-साथ चामुंडा, बालकृष्ण, राधाकृष्ण, हनुमान, सीताराम की मूर्तियों भी स्थापित थी |

2) लोग वहाँ आरती करने क्यों आते थे ?

उत्तर: लोगों द्वारा मांगी गयी कोई भी मनोकामना जब पूरी होती हैं तो वह ईश्वर का धन्यवाद करने तथा मांगी गयी मन्नत को पूरा करने के लिए लोग गंगा घाट पर आरती के लिए जाता है |

3) संभव क्या काम करता था ? उसकी शिक्षा के बारे मे बताइये |

उत्तर: संभव की उम्र ज्यादा नहीं थी उसने एम.ए कर रखी थी | अब वह 'सिविल सर्विज' की प्रतियोगिता परीक्षा में बैठने वाला था |

4) संभव को रात को नींद क्यों नहीं आती थीं ?

उत्तर: संभव को नींद नही आ रही थी क्योकि जब से उसने पारो को देखा तब से उसका दिल और दिमाग पारो के बारे में ही सोचे जा रहा है ऐसा लगता है कि वह परो से प्रेम करने लगा था |

5) रुद्राक्ष की मालाओं वाली गुमटी पर क्या लिखा हुआ था ?

उत्तर: दस रूपये से लेकर तीन हज़ार तक की मालाओ पर लिखा था –' असली रुद्राक्ष, नकली साबित करने वाले को पांच सौ रुपए का इनाम |

लघु उत्तरीय प्रश्न (3 अंक)

6) गंगापुत्र कौन होते थे ? उनकी आजीविका कैसी चलती हैं ?

उत्तर: लेखिका ने उन लड़को को गंगापुत्र कहा है जो आरती के समय गोताखोरी करके दिये के दोने को पकड़कर उनमे रखे चढ़ावे के पैसों को उठाकर मुँह मे दबा लेते थे और यही पैसे से उनकी आजीविका का साधन है| वही खुले पैसे अपनी पत्नियों व बहनों को देते है | तभी उनका जीवन चलता हैं |

7) संभव केबिल कार में बैठकर क्या सोच रहा था?

उत्तर: संभव केबिल कार मे बैठकर पारो के बारे में सोच रहा था | उसके मन में वही घाट वाली घटना घूम रही थी वह उसी लड़की की छवि को बार-बार याद कर रहा था | संभव उस लड़की से मिलने के लिए ही वहाँ गया था | और वह उस लड़की की गुलाबी साड़ी के रंग के समान रंग के केबिल कार पर ही बैठा था |

8) पुजारी के ' सुखी रहो , फूलोफलो ' आशीष सुनकर लड़की क्यों अटपटा गई ?

https://www.evidyarthi.in/

उत्तर: पुजारी के 'सुखी रहो फुलोफलो' का आशीष सुनकर लड़की इसलिए अटपटा गयी क्योंकि वह दोनों युगल नहीं थे | लेकिन पुजारी द्वारा दिए गए आशीर्वाद का अर्थ था की वह हमेशा साथ रहे और खुश रहे जबकि वह दोनों एक दूसरे के लिए अनजान थे और इसी वजह से वह दोनों पुजारी के आशीर्वाद से सहम गए |

9) पारो बुआ का नाम सुन संभव असहज हुआ और विचारो में खो गया |

उत्तर: पारो बुआ का नाम सुनकर वह खुद को देवदास समझने लगा लगा | जिस प्रकार देवदास और पारो की प्रेम कहानी थी ठीक वही कहानी संभव भी अपने दिमाग मे सोच रहा था की वह भी देवदास है और वह लड़की पारो जो उसे घाट पर मिली थी|

10) संभव की कौन-सी मनोकामना परिणाम लेकर आयी जिस परिणाम से वह बहुत खुश हुआ ?

उत्तर: संभव ने यह मनोकामना मांगी थी कि वह उस लड़की से मिल सके जो उसे घाट पर मिली थी | ईश्वर की कृपा से यही मनोकामना पूरी हुई और संभव को पारो मिल गयी | संभव को इस परिणाम से बहुत ज्यादा ख़ुशी हुई |

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5अंक)

11) गंगा जी की आरती का वर्णन पाठ के आधार पर कीजिए |

उत्तर: हर की पौड़ी पौड़ी शाम कुछ अलग रंग की होती है |शाम पांच बजे फूलों के दोनों की कीमत दुगनी हो जाती है | गंगा सभा के स्वयं सेवक खाकी वर्दी में मुस्तैदी से घूमते है | सभी शांत होकर बैठने के लिए कहते है | कुछ भक्तो ने स्पेशल आरती बोल रख थी स्पेशल यानि एक सौ एक या एक सौ इक्यावन रुपए वाली | आरती से पूर्व स्नान होता है उसके बाद पंडित चंदन व् सिंदूर का तिलक करते है | एकदम से वह हज़ारो दीप जल उठते है और आरती शुरू हो जाती है घंटे घड़ियाल बजते हैं गंगा में छोटी छोटी कश्तियाँ लहराती हुई दिखती है |

12) मन्नता की गाठो का असर भी तुरंत हो जाता है पाठ के आधार पर इसके समर्थन मे अपने विचार दे |

उत्तर: संभव ने जब मनसा देवी के मंदिर में प्रवेश किया था तो सभी लोग अपनी अपनी मनोकामना हेतु लाल पिले धागा लेकर गाँठ बांध रहे थे | संभव ने भी धागा लेकर गाँठ बाँधी थी और बांधते समय उसने पारो क बारे में सोचा था कि कितना अच्छा हो यदि प्रभु मुझे पारो से मिला दे | अभी कुछ ही समय बिता था की प्रभु ने उसकी सुन भी ली इतनी शीघ्र पारो के दर्शन हो गए जैसा उसने चाहा उसे प्राप्त हुआ |

13) पाठ का नाम 'दो वरदान ' ना रखकर 'एक और देवदास ' रखना कहा तक उचित हैं ? टिप्पणी करे

उत्तर: 'दूसरा देवदास' इस कहानी का उचित शीर्षक है किसी भी कहानी का शीर्षक या तो प्रतीकात्मक होता है या घटना विशेष पर आधारित होता है या पात्र के नाम पर आधारित होता है | देवदास उसे कहा जाता है जो अपनी प्रेमिका को प्यार करे यही दशा संभव की है अतः कहानी का शीर्षक प्रतीकात्मक हैं अतः उचित ही है

14) सम्भव पारो को एक नज़र देख विचलित हो जाता है उसकी मनोदशा को समझाइए |

उत्तर: सम्भव एक नौजवान लड़का था उसने कभी किसी लड़की को देखकर ऐसा अनुभव नहीं किया था लेकिन पारो पहली ऐसी लड़की थी जिसने उसके दिल में दस्तक दी थी | पारो को देखकर उसे उससे पहली नज़र मे ही प्यार हो गया था | इसलिए उसका मन उसे देखने को विचलित हो रहा था वह उससे मिलने की तरकीबे निकाल रहा था | पारो की वजह से उसकी रातो की नींदे उड़ गयी थी अर्थात वह उसके प्रेम में पागल हो गया था |

https://www.evidyarthi.in/

15) ममता कालिया जी का जीवन परिचय लिखिए|

उत्तर: सन 1940 में मथुरा उत्तर प्रदेश में ममता कालिया का जन्म हुआ | उन्होंने कई जगहों जैसे नागपुर पुणे इंदौर मुंबई आदि से शिक्षा प्राप्त की | उन्होंने अंग्रेजी विषय में एम .ए किया तथा वह दिल्ली विश्विद्यालय मे अंग्रेजी की प्राध्यापिका रही |1966 से 1970 तक SNDT महिला विश्वविद्यालय मुंबई में अध्यापन कार्य 1973 से 2001 तक महिला सेवा सदन डिग्री कॉलेज इलाहबाद में प्रधनाचार्य रही | 2003 से 2006 तक भारतीय भाषा परिषद् कलकत्ता की निदेशक रही | वर्तमान में नई दिल्ली में रहकर स्वतंत्र लेखन कर रही है| उपन्यास – बेघर, नमक का दरोगा, एक पत्नी के नोट्स प्रेम कहानी ,लड़कियाँ ,दौड़ | कहानियां – 12 कहानी – संग्रह प्रकाशित है जो सम्पूर्ण कहानियां नाम से दो खंड में प्रकाशित है | हाल मे ही प्रकाशित कहानियां – पच्चीस साल की लड़की ,थिएटर ,रोड के कौवे | कथा साहित्य में उल्लेखनीय योगदान के लिए उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान में साहित्य भूषण में तथा वहीं से कहानी सम्मान 1989 में प्राप्त हुआ | उनके समग्र साहित्य पर अभिनव भारती कलकत्ता ने रचना पुरुस्कार भी दिया | इसके अतरिक्त उन्हें सरस्वती प्रेस तथा साप्ताहिक हिंदुस्तान का श्रेष्ट कहानी पुरुस्कार भी प्राप्त हैं | उचित शब्दो के प्रयोग में ममता कालिया माहिर हैं | उनकी भाषा पर मजबूत पकड़ है क्योकि भाषाज्ञान अत्यंत उच्चकोटि का है | विषय क अनुरूप सहज भवाभ्यक्ति उनकी विशेषता है | व्यंग्य की सटीकता एवं सजीवता से भाषा में अनेक प्रभाव उत्पन्न हो जाता है है अभिव्यक्ति की सरलता एवं सुबोधता उसे विशेष रूप से मर्मस्पर्शी बना देती है |

https://www.evidyarthi.in/